ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-७३
दिनांक-शुक्रवार,१३ सितम्बर,२०१८

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.३ एवं २५.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८५ सुबह में एवं दोपहर में ६३ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.३ एवं दोपहर में ३१.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में १६.६ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१४-१८ सितम्बर,२०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १४-१८ सितम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलो में मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। इस अवधि में तराई एवं मैदानी जिलों के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की संभावना है। बेगुसराय एवं मधुबनी जिलों में अगले २४-४८ घंटों के दौरान १-२ स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई खड़ी फसलों में फिलहॉल सिंचाई स्थगित रखें एवं फसलों में कीटनाशी दवाओं का छिड़काव सावधानी पूर्वक आसमान साफ रहने पर हीं करें। धान, मक्का, खरीफ प्याज, चारा एवं अन्य सब्जियोंवाली फसलों में आवश्यकतानुसार नत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें।
- धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- अगात बोयी गई धान की फसल जो गाभा निकलने की अवस्था में आ गयी हो, उसमें ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। धान की फसल जो दुग्धाअवस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की नियमित रुप से निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं पौढ़ दोनों जब पौधों में बाली निकलती है तो यह बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक-एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है।
- पिछात धान की फसल जो कल्ले निकलने की अवस्था में ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। इस फसल में तना छेदक (स्टेम बोरर) एवं पत्ती लपेटक (लीफ फोल्डर) कीट की निगरानी करें। पत्ती लपेटक कीट के पिल्लू धान के पत्तियों के दोनो किनारों को रेशमी धागे से जोड़कर उसके अन्दर रहते है तथा पत्तियों की हरीत्तिमा को खाता है। बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने-दार दवा का १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें। किसान भाई नेत्रजन उर्वरक के साथ बताई गयी कीटनाशक दानेदार दवा को अच्छी प्रकार से मिलाकर खेतों में समान रुप से व्यवहार कर सकते है।
- अरहर की बुआई अविलंब संपन्न करने का प्रयास करें। इसके लिए पूसा-९ एवं शरद प्रभेद अनुशंसित है। बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। जुन-जुलाई में बोयी गई अरहर की फसल में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- मूली एवं गाजर की अगेती बुआई करें। मूली के लिए *पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त* आदि प्रभेद अनुशंसित है। गाजर के लिए *पूसा केसर, पूसा मेघाली, पूसा यमदागिनी, अमेरिकन ब्युटी, कल्याणपुर येलो एवं नैन्टेस* प्रभेद अनुशंसित है। बीजदर ४ से ५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा २५ X१० से०मी० की दुरी पर बुआई करें।
- फूलगोभी की मध्यकालीन किस्में जैसे- पूसा अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काशी कुवाँरी एवं अर्ली स्नोवॉल की रोपाई करे। अगात फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे। पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पुसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुशंसित है। नर्सरी से खरपतवार समय-समय पर निकालते रहें ताकि स्वस्थ पौध मिल सकें।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें। अगात रोपी गई बैगन की फसल में फल एवं तना छेदक कीट की निगराणी करते रहें।
- मिर्च, भिंडी एवं उरद् की फसल में पीला मोजैक वायरस रोग की निगरानी करें। रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे, तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मी०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- लत्तीदार वाली सब्जियों की फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करे। वर्त्तमान मौसम इस कीट के प्रकोप के लिए अनुकुल है। इस कीट के मैगोट द्वारा फलों के अन्दर अंडे देने से फलों में सड़न प्रारंभ हो जाती है जिससे फल खाने लायक नहीं रहता।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य के बराबर	आज का न्यूनतम तापमानः २५.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य के बराबर

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी